17-06-2022

एनएसआई ने इंडोनेशिया के इंजीनियरिंग संस्थान से हाथ मिलाया

▸ एन एस आई इंडोनेशिया की चीनी मिलों में बिजली चीनी व अन्य वैल्यू ऐडेड प्रोडक्ट बनाने में सहयोग देगा

डी टी एन एन। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने आज नई दिल्ली में योग्यकार्ता, इंडोनेशिया में स्थित इंजीनियरिंग संस्थान के साथ समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। प्रो. नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने श्रीमती इना कृष्णमूर्ति,भारत में इंडोनेशिया की राजदूत के साथ इस समझौते (एम) का आदान प्रदान दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की उपस्थिति में किया।

समझौते के अनुसार, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर, चीनी और इथेनॉल उत्पादन, बिजली उत्पादन, पर्यावरण और गुणवत्ता नियंत्रण से संबंधित प्रौद्योगिकी के विकास में इंडोनेशियाई संस्थान की मदद करेगा। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर संकाय विकास कार्यक्रम (फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम) और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करेगा ताकि इंडोनेशियाई संस्थान चीनी और संबद्ध उद्योग को सक्षम जनशक्ति प्रदान करने के लिए अपनी क्षमताओं का विकास कर सके नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो नरेंद्र मोहन ने कहा, हम सुविधा और आवश्यकता के अनुसार ऐसे कार्यक्रमों को भौतिक रूप से या वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर व्यवस्थित करेंगे। इंडोनेशिया के छात्रों को भी उचित अनुमोदन के बाद राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में अध्ययन करने का मौका मिलेगा। यह समझौता ज्ञापन दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा और मुझे यकीन है कि इंडोनेशियाई चीनी उद्योग हमारे संस्थान की सहायता से वांछित स्तर तक विकसित होगा, प्रो नरेंद्र मोहन ने कहा ।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर इंजीनियरिंग संस्थान के साथ समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने आज नई दिल्ली में योग्यकार्ता, इंडोनेशिया में स्थित इंजीनियरिंग संस्थान के साथ समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। प्रो. नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने श्रीमती इना कृष्णमूर्ति,भारत में इंडोनेशिया की राजदूत के साथ इस समझौते का आदान प्रदान दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की उपस्थिति में किया।

समझौते के अनुसार, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर, चीनी और इथेनॉल उत्पादन, बिजली उत्पादन, पर्यावरण और गुणवत्ता नियंत्रण से संबंधित प्रौद्योगिकी के विकास में इंडोनेशियाई संस्थान की मदद करेगा। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर संकाय विकास कार्यक्रम (फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम) और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करेगा ताकि इंडोनेशियाई संस्थान चीनी और संबद्ध उद्योग को सक्षम जनशक्ति प्रदान करने के लिए अपनी क्षमताओं का विकास कर सके।

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो नरेंद्र मोहन ने कहा, हम सुविधा और आवश्यकता के अनुसार ऐसे कार्यक्रमों को भौतिक रूप से या वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर व्यवस्थित करेंगे। इंडोनेशिया के छात्रों को भी उचित अनुमोदन के बाद राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में अध्ययन करने का मौका मिलेगा। यह समझौता ज्ञापन दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा और मुझे यकीन है कि इंडोनेशियाई चीनी उद्योग हमारे संस्थान की सहायता से वांछित स्तर तक विकसित होगा, प्रो नरेंद्र मोहन ने कहा ।

तैयार हो सकेंगे शर्करा उद्योग के कई नए उत्पाद

अमृत विचार, कानपुर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के सहयोग से इंडोनेशिया में चीनी की गुणवत्ता, उत्पादकता बढ़ेगी, शर्करा उद्योग के कई नए उत्पाद तैयार कर सकेंगे। वहां के विशेषज्ञों को नई तकनीक से दक्ष बनाया जाएगा। इसके लिए शुक्रवार को नई दिल्ली में संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन और इंडोनेशिया के इंजीनियरिंग संस्थान के बीच करार हुआ। यह एमओयू का आदान प्रदान निदेशक और भारत में इंडोनेशिया की राजदूत इना कृष्णमूर्ति ने किया। दोनों देशों के विदेश मंत्री मौजूद रहे।

प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि इंडोनेशिया में गन्ने की गुणवत्ता अच्छी नहीं है, जिसका असर चीनी उत्पादन पर पड़ता है। उनके देश को हर साल 40 लाख टन चीनी आयात करनी पड़ती है। चीनी मिलों को भी कम लाभ हो रहा है। विशेषज्ञ स्टाफ का संकट है। एनएसआई की ओर से इंडोनेशिया के शर्करा उद्योग के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों को न सिर्फ चीनी, बल्कि स्पेशल चीनी बनाने की तकनीक सिखाई जाएगी। गन्ने की खोई से कई सह उत्पाद विकसित करना बताया जाएगा। देश में चीनी मिलों ने शुद्ध पानी का उपयोग कम कर दिया है। यही तरीका उनको भी समझाएंगे। इथेनॉल की उत्पादकता का प्रशिक्षण दिया जाएगा। संस्थान यह कार्य ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से करेगा। फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम तैयार किया गया है।

एमओयू का आदान प्रदान करते निदेशक और इंडोनेशिया की राजदूत।

हुआ करार

- एनएसआई के सहयोग से इंडोनेशिया में बढ़ेगी चीनी की गुणवत्ता और उत्पादकता
- नई दिल्ली में संस्थान के निदेशक और इंडोनेशिया की राजदूत ने किया एमओयू का आदान-प्रदान

इंडोनेशिया के टीचर्स को टेक्निकल ट्रेनिंग देगा अपना शुगर इंस्टीट्यूट

PIC. DAINIK JAGRAN I NEXT

नई दिल्ली में एनएसआई निदेशक और इंडोनेशिया की राजदूत ने साइन किया एमओयू

एमओयू के बाद इंडोनेशिया की राजदूत ने आभार जताया.

KANPUR (17 June): अपनी टेक्नोलॉजी के चलते पूरे विश्व में अलग साख रखने वाले नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के एक्सपर्ट्स अब इंडोनेशिया के इंजीनियरिंग संस्थान के टीचर्स को ट्रेनिंग देंगे. चीनी, एथेनाल, बिजली उत्पादन और पर्यावरण व गुणवत्ता नियंत्रण से संबंधित टेक्नोलॉजी के विकास में इंडोनेशिया के इंजीनियरिंग संस्थान का सहयोग भी करेंगे. एनएसआई के डायरेक्टर प्रो. नरेंद्र मोहन और भारत में इंडोनेशिया की राजदूत इना कृष्णमूर्ति ने नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में इस संदर्भ में एमओयू साइन किए.

इंडोनेशिया के स्टूडेंट्स आएंगे कानपुर

समझौते के तहत राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की ओर से इंडोनेशिया के संस्थान के लिए टीचर्स डेवलपमेंट प्रोग्राम व टेक्निकल ट्रेनिंग प्रोग्राम किए जाएंगे. उन्होंने बताया कि सुविधा व आवश्यकता के अनुसार ऐसे कार्यक्रम भौतिक रूप से या वर्चुअल मोड (आनलाइन) आयोजित होंगे. इंडोनेशिया के स्टूडेंट्स को भी राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में अध्ययन करने का मौका मिलेगा. इंडोनेशिया के चीनी उद्योग के विकास के साथ ही दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत होंगे.

दोनो देशों के विदेश मंत्री

निदेशक ने बताया कि इंडोनेशिया का इंजीनियरिंग संस्थान अपने यहां चीनी व संबद्ध उद्योगों के विकास व जनशक्ति को बेहतर करने के लिए कार्य कर रहा है, लेकिन उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं आ रहे हैं. इंडोनेशिया के चीनी उद्योग को बढ़ाने और जनशक्ति के विकास के लिए यह एमओयू किया गया है. इस दौरान ही दोनों देशों के विदेश मंत्री भी मौजूद रहे.

शर्करा संस्थान इंडोनेशिया के

चीनी उद्योग के विकास में करेगा सहयोग

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर और योग्यकार्ता (इंडोनेशिया) में स्थित इंजीनियरिंग संस्थान के बीच आपसी सहयोग-समन्वयन को लेकर शुक्रवार को नई दिल्ली में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की उपस्थिति में शर्करा संस्थान निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन व भारत में इंडोनेशिया की राजदूत श्रीमती इना कृष्णमूर्ति के बीच किया गया।

समझौते के अनुसार शर्करा संस्थान, कानपुर चीनी और एथनॉल उत्पादन, बिजली उत्पादन, पर्यावरण व गुणवत्ता नियंत्रण से संबंधित प्रौद्योगिकी के विकास में इंडोनेशियाई संस्थान की मदद करेगा। संकाय विकास कार्यक्रम और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करेगा, ताकि इंडोनेशियाई संस्थान चीनी व संबद्ध उद्योग को सक्षम जनशक्ति प्रदान करने के लिए अपनी क्षमताओं का विकास कर सके।

इंडोनेशिया में चीनी और संबद्ध उद्योग के विकास के लक्ष्य को लेकर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर और इंडोनेशिया के इंजीनियरिंग संस्थान के बीच हुआ एमओयू। फोटो : एसएनबी

निदेशक शर्करा संस्थान प्रो. नरेन्द्र मोहन ने बताया कि हम सुविधा और आवश्यकता के अनुसार ऐसे कार्यक्रमों को भौतिक रूप से या ऑनलाइन प्लेटफार्म पर व्यवस्थित करेंगे। इंडोनेशिया के छात्रों को भी उचित अनुमोदन के बाद शर्करा संस्थान में अध्ययन करने का मौका मिलेगा।

उन्होंने कहा कि उक्त समझौता ज्ञापन दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा। मुझे यकीन है कि इंडोनेशियाई चीनी उद्योग हमारे संस्थान की सहायता से वांछित स्तर तक विकसित होगा।

भारत में इंडोनेशिया की राजदूत इना कृष्णमूर्ति व शर्करा संस्थान निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन के बीच हुआ समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान

न्यूज डायरी

इंडोनेशियाई संस्थान संग मिलकर शोध करेगा एनएसआई

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) और इंडोनेशिया के योग्यकार्ता शहर में स्थित इंजीनियरिंग संस्थान के बीच शुक्रवार को एमओयू हुआ। इसके तहत एनएसआई चीनी, इथेनॉल उत्पादन, बिजली उत्पादन, पर्यावरण और गुणवत्ता नियंत्रण से संबंधित तकनीक को विकसित करने में इंडोनेशियाई संस्थान की मदद करेगा। इंडोनेशिया में चीनी उद्योग के विकास के लिए फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। दोनों संस्थान मिलकर शोध करेंगे। शुक्रवार को नई दिल्ली में एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन, भारत में इंडोनेशिया की राजदूत इना कृष्णमूर्ति और दोनों देशों के विदेश मंत्री की मौजूदगी में एमओयू हुआ। प्रो. नरेंद्र ने बताया कि इंडोनेशियाई छात्रों को भी अनुमोदन के बाद एनएसआई में पढ़ने का मौका मिलेगा। (संवाद)

NSI to help Indonesian Institute develop sugar, ethanol production technology

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

The National Sugar Institute, Kanpur will help the Indonesian Institute in development of technology related to sugar and ethanol production, power generation, and environment and quality control. The NSI, Kanpur signed an agreement with the Indonesian Institute, Politeknik Perkebunan LPP situated in Yogyakarta, Indonesia at New Delhi on Friday.

NSI, Kanpur Director Prof Narendra Mohan exchanged the memorandum of understanding (MoU) with Ina Krisnamurthi, Ambassador of Indonesia in India, in the presence of foreign ministers of the two countries. Prof Mohan said as per the MoU, the NSI, Kanpur would help the Indonesian Institute in development of technology related to sugar and ethanol production, power generation, and environment and quality control.

Director, NSI Prof Narendra Mohan and Ina Krisnamurthi, Ambassador of Indonesia exchange MoU at Delhi

He said the NSI would also conduct faculty development programmes and other customised training programmes so that the Indonesian institute could develop its capabilities to provide competent manpower to the sugar and allied industry. He added that the NSI would arrange such programmes physically or on a virtual platform as per the convenience and requirement.

Prof Mohan said the students of Indonesia would also get a chance to study at the National Sugar Institute after due approvals.